हम एक टीम के रूप में देश सेवा के कार्यों में भी सफलता पा सकते हैं। मैं इस टीम को संघ की पहली शाखा के रूप में देखना चाहता हूँ।
प्रचारक जीवन कश्टप्रद था। कभी–कभी चने और पानी पीकर ही भूख मिटानी पड़ती थी। ऊलीनगर में उन्होंने एक पुरानी जर्जर और निर्जन कोठी को अपना निवास बनाया।